मेरा अनमोल खज़ाना | by C.S. Sharma (Lahari)

मुझसे नाराज़ तू हो ये सितम श्याम ना ढाना
मेरी दुनिया है तू ही तो मेरा अनमोल खज़ाना

मेरी साँसों में रहता वो तू ही
होती धड़कन में जो धक् धक् तू ही
मेरा हर रोम रोम खिलता है
तू मेरे साथ साथ चलता है
मुझसे नाराज़.....

सर पे जिसके तू हाथ रखता है
वो अभागा कहाँ पे रहता है
तुझमे होके मगन वो झूमा करे
तेरी चौखट को श्याम चूमा करे
मुझसे नाराज़.....

लेहरी ये तेरी खुशनसीबी है
तेरी बड़ी श्याम से करीबी है
उसकी छाँव में मौज करता तू
फिर भला काहे यार डरता तू
मुझसे नाराज़.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a4%be-%e0%a4%85%e0%a4%a8%e0%a4%ae%e0%a5%8b%e0%a4%b2-%e0%a4%96%e0%a4%9c%e0%a4%bc%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a4%be-by-c-s-sharma-lahari/